

ग्रसाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपसण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 335] नई विल्लो, बहस्पतिवार, सितम्बर 27, 1973/ग्रादिवन 5, 1895

No. 335] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 27, 1973/ASVINA 5, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप मे रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 27th September 1973

S.O. 523(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 3981, dated the 22nd December, 1965 read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3495, dated the 24th October, 1970, and No. S.O. 5535, dated the 20th December, 1971, the management of the industrial undertaking known as the Muir Mills Limited, Kanpur has been taken over by the Authorised Controller for a period upto and inclusive of the 21st December, 1973;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a period upto the 21st December, 1974;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above, shall continue to have effect for a further period upto the 21st December, 1974.

[F. No. 28013/88/73-Tex(G).]

D. K. SAXENA Jt. Secy.

श्रीकोगिक विकास मंत्रालय

स्रावेश

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1973

का० मा० 523 (म्र).—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के म्रादेश सं० का० मा० 3495, तारीख 24 म्रक्तूबर, 1970 भी म्रादेश सं० का० मा० 5535, तारीख 20 दिसम्बर, 1971 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के भ्रादेश सं० का० मा० 3981, तारीख 22 दिसम्बर, 1965 द्वारा म्योर मिल्स लिमिटेड, कानपुर नामक श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 21 दिसम्बर, 1973 तक की जिसमें यह दिन भी शामिल है, भ्रवधि के लिए ग्रहण किया गया है;

श्रौर यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि यह लोक हित में समीचीन है कि उक्त श्रौद्योगिक उपक्रम का उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा प्रबन्ध 21 दिसम्बर, 1974 तक की भ्रवधि के लिए जारी रहना चाहिए;

श्रतः श्रव, उद्योग (विकास श्रोर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है कि ऊपर वर्णित श्रादेश का 21 दिसम्बर, 1974 तक की ग्रोर ग्रविध के लिए प्रभाव बना रहेगा।

[फा॰ सं॰ 28013/88/73 एन॰ टी॰ सी॰] दिनेश किशोर सक्सेना, संयुक्त सचित्र।